epaper
हिन्दुस्तान

दिल्ली में पारा सामान्य से पांच डिग्री नीचे आया

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

दिल्ली-एनसीआर में ठंड ने दस्तक दे दी है। पहाड़ों पर बारिश- बर्फबारी के चलते बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस कम रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी में अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम पारा 17.5 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से एक डिग्री अधिक है। वहीं, लोधी रोड व रिज पर हल्की बूंदाबांदी भी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक बीपी यादव ने बताया कि गुरुवार दोपहर से दिल्ली में आसमान साफ होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया जा सकता है। अक्तूबर में पहली बार अधिकतम तापमान 30 डिग्री के नीचे दर्ज किया गया है।

ठंड की दस्तक

- बुधवार को अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा
- गुरुवार को न्यूनतम पारा 18 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है

राजस्थान में बारिश-ओले, जयपुर में पारा 11° गिरा

@ पिंकसिटी

जयपुर, भोपाल, लखनऊ. राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में बुधवार को मौसम ने अचानक पलटा खाया। राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं कुछ जगह ओले भी गिरे। चंडीगढ़ समेत कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे यकायक पारा लुढ़क गया। सर्द हवाओं के साथ सर्दी ने दस्तक दे दी। हिमाचल प्रदेश के केलांग में मंगलवार रात सबसे सर्द रही। न्यूनतम पारा शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। शिमला में सुबह हल्की फुहारें पड़ीं। पहाड़ों पर बर्फबारी का असर मैदानों में दिखने लगा है।

झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी में बिछी ओलों की चादर। फोटो- अनिल सैनी

20.3 मिमी बारिश

27 डिग्री तापमान था 4 बजे शाम को

16 डिग्री सेल्सियस रह गया रात 8 बजे

Tough terrain

Heavy snowfall in Poonch district of Jammu and Kashmir obstructed traffic on roads on Tuesday. PTI

File status report on flood relief package: HC to Centre

AJID JAHANGIR
BUNE NEWS SERVICE

INAGAR, OCTOBER 28

e Jammu and Kashmir gh Court today gave one ore week to the Union overnment to file the sta- s report on the relief ckage meant for the Sep- nber 2014 flood victims.

During the resumed hear- g of a public interest liti- tion on the September 14 floods, the division nch of Chief Justice Paul Vasanthakumar and stice Hasnain Masoodi id the Central govern- ent should file the status ort on the relief package thin one week or else the ion Finance Secretary ould be present in person November 3, the next te of hearing.

The HC is hearing a PIL the floods of 2014, which used havoc in the Kash- r region. Earlier, the gh Court had directed e Centre to disclose its nd on the Rs 44000-crore relief package sought by the state government for the flood victims.

It had also directed the Centre to divulge its policy on grant of relief to the flood-affected people.

Immediately after floods in September 2014, the state government had sought a special financial package of Rs 44,000 crore to rehabilitate the flood victims. Official estimates say 2.61 lakh structures, including residential houses, were damaged in the calamity.

Besides, the J&K Government had also requested the Central government to release Rs 1,947.20 crore under the National Disaster Response Force funds.

The High Court directions come just a few days before Prime Minister Narendra Modi's visit to Kashmir on November 7. The ruling PDP-BJP government has come under sharp criticism for failing to provide relief to the flood victims.

Soldiers ferry flood victims in Srinagar. TRIBUNE FILE PHOTO

Next hearing on Nov 3

- The division bench of the J-K High Court on Wednesday said the Central government should file the status report on the relief package within one week or else the Union Finance Secretary should be present in person on November 3, the next date of hearing
- In an earlier hearing, the HC had directed the Centre to disclose its stand on the ₹44,000-crore relief package sought by J-K for the flood victims. It had also directed the Centre to divulge its policy on grant of flood relief

Sudden drop in temp catches capital unawares

HT Correspondent
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Rain and cold winds gave the city its first taste of winter this season as the maximum temperature dropped to 26.3 degrees Celsius, five degrees below normal.

On Tuesday the maximum temperature was recorded at 31.4 degrees Celsius and the sudden dip in temperature took Delhiites by surprise.

The light rain and the dip in temperature were because of an active western disturbance that also brought snow to Himachal Pradesh and Kashmir.

People woke up here to a chilly Wednesday morning as the mercury dipped to below freezing point in most parts of Jammu and Kashmir.

Cold conditions intensified in Himachal Pradesh on Wednesday as Keylong town experienced its coldest night of the season, with the minimum temperature staying below freezing point.

On Wednesday, the minimum temperature was recorded at 17.5 degrees Celsius, which was a degree above normal.

The weather stations at Ridge and Lodhi Road also recorded traces of rainfall during the day. According to the weatherman, the city is expected to see light rain and a thunderstorm on Thursday as well.

"The skies will be partly cloudy. Thundery developments may occur in some areas.

> I got out of the house at 12 noon and took an auto as usual and it was cold. The change in weather was very sudden. Till yesterday, the afternoons were very warm but it changed all of a sudden today.
>
> KETKI YADAV,
> A Delhi University student

There will be mist in the morning," the weatherman said. The maximum and minimum temperatures are expected to be between 28 and 18 degrees Celsius, respectively.

According to the Met department, the temperature in the coming days will rise a little and will be in the range of 17 degrees Celsius and 28 degrees Celsius.

Wednesday's cold weather took city dwellers by surprise.

"I got out of the house at 12 noon and took an auto as usual and it was freezing. The change in weather was very sudden. Till yesterday, the afternoons were very warm but it changed all of a sudden today," said Ketki Yadav, a Delhi University student.

This October was among the warmest in the past five years with the maximum temperature touching 37 degrees Celsius.

The minimum temperature also remained in the range of 25 degrees Celsius and was much higher than the average this time of the year.

In a sight typical of Delhi winters, a group of people sit around a wood stove to keep themselves warm, near AIIMS, on Wednesday. SANCHIT KHANNA/HT PHOTO

यूरोपियन कमिशन ज्वाइंट रिसर्च रिपोर्ट में दी चेतावनी, आईएनडीसी पर टिकी उम्मीदें

सावधान! वैश्विक तापमान में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होगी

वाशिंगटन @ पत्रिका

patrika.com/world

ग्लोबल वॉर्मिंग का खतरा आने वाले वक्त में और गंभीर हो सकता है, क्योंकि नए शोध के मुताबिक दुनियाभर के देश कार्बन उत्सर्जन को लेकर वर्तमान नीतियों पर अड़े रहे, तो भविष्य में वैश्विक तापमान में लगभग तीन डिग्री सेल्सियस की स्थायी बढ़ोतरी हो सकती है, जो ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लक्ष्य से एक डिग्री अधिक है।

उत्सर्जन घटाने का वादा

जलवायु परिवर्तन पर पेरिस में दिसंबर में होने वाले सम्मेलन के लिए 90 फीसदी वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार कुल 155 देशों ने अपने कार्बन उत्सर्जन को घटाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित लक्ष्य (आईएनडीसी) को जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) को सौंपा है।

क्या है रिपोर्ट में: यूरोपियन कमिशन ज्वाइंट रिसर्च सेंटर के मुताबिक, यदि आईएनडीसी का अच्छी तरह क्रियान्वयन हुआ, तो साल 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन साल 2010 के स्तर का लगभग 17 फीसदी अधिक तक हो सकता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, वैश्विक उत्सर्जन साल 2020 में अधिकतम होगा, जबकि उसके बाद साल 2030 तक इसमें गिरावट आकर यह साल 2010 के स्तर से 10 फीसदी कम हो जाएगी। उन्होंने हालांकि यह भी पाया कि साल 2030 के ठीक पहले वैश्विक उत्सर्जन साल 2020 के स्तर से 12 फीसदी तक अधिक हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन सम्मेलन को बढ़ावा देगा चीन

बीजिंग. दिसंबर में पेरिस में जलवायु परिवर्तन पर होने वाले संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करेगा।सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के एक समझौते पर पहुंचने की उम्मीद भी है। चीन के राष्ट्रपति ली केकियांग ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र के अध्यक्ष मोगेंस लिक्टॉफ्ट के साथ मुलाकात में यह वादा किया।

वर्ष : 11 . अंक : 120 पत्रिका समाचार पत्र समूह : 8 राज्य, 37 संस्करण दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

दौरा › चम्बल के पानी की जांच करने आई केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम

अरे ! यहां तो सीवर बह रहा है

राजस्थान पत्रिका
सरोकार
चंबल को मिले संबल

8 जगहों के लिए नमूने, नदी में मलबा और नाले गिरने पर जताई गंभीर चिंता

कोटा @ पत्रिका
patrika.com/city

मगरमच्छ और मछलियां मरने के बाद चम्बल के पानी की जांच करने कोटा आई केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की टीम डाउन स्ट्रीम के हालात देख भौचक रह गई। छोटी पुलिया के पास पहुंचते ही टीम के मुखिया बोल पड़े, अरे! यहां तो पानी की जगह सीवर बह रहा है। टीम ने अप स्ट्रीम और डाउन स्ट्रीम में 18 जगह से पानी के नमूने लिए और साजीदेहड़ा एसटीपी प्लांट का भी निरीक्षण किया।

मगरमच्छ के बाद चम्बल की डाउन स्ट्रीम में हजारों मछलियां मरने का मामला राजस्थान पत्रिका ने प्रमुखता से उठाया था। पत्रिका में प्रकाशित खबरों को संज्ञान में लेते हुए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने सीपीसीबी की एक टीम को हालात का जायजा लेने के लिए कोटा भेजा। मंगलवार को टीम ने सबसे पहले राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक कर पिछले एक महीने में आंके गए प्रदूषण के स्तर का आंकलन किया। टीम के मुखिया वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक पी. जगन ने बताया कि बैठक के बाद अप स्ट्रीम और डाउन स्ट्रीम में गिर रहे नालों का निरीक्षण किया। गोदावरी, मकबरा और नयापुरा समेत 18 जगहों से पानी के नमूने लिए। इन नमूनों से हैवीमेटल्स, बैक्टीरियल और बायोअसी जांच की जाएगी, ताकि पता चल सके कि पानी किस हद तक जहरीला हो चुका है। तकरीबन 15 दिन में रिपोर्ट तैयार कर मंत्रालय और एनजीटी को सौंप दी जाएगी।

चम्बल से पानी के सेम्पल लेती केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम।

कानून की उड़ा रखी है धज्जियां

सीपीसीबी की टीम के सदस्य पी. जगन और प्रवीण जैन डाउन स्ट्रीम का निरीक्षण करने जब छोटी पुलिया पहुंचे तो नदी के दोनों ओर छह नालों को सीधे चम्बल में गिरता देख हैरान रह गए। बोले, पर्यावरण कानूनों की तो कोटा के नगर निगम और यूआईटी ने धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। बांध से पानी छोड़ा नहीं जा रहा और नाले गिरने से रोक नहीं पा रहे ऐसे में चम्बल में पानी नहीं बल्कि जहरीला सीवर बह रहा है। जो आगे के पानी को भी दूषित कर देगा।

राजस्थान पत्रिका
फॉलोअप

पत्रिका में प्रकाशित

सीवरेज तो साफ करा देते

मौके पर मौजूद यूआईटी के वरिष्ठ अभियंता वीके गर्ग और अनिल गुप्ता को फटकार लगाते हुए कहा कि नाले गिरने से नहीं रोक सकते तो कम से कम मलबा हटवा कर सीवरेज तो साफ करा देते। दोनों अफसर तीस अक्टूबर तक साजीदेहड़ा एसटीपी प्लांट चलाने का दावा करने लगे तो जांच टीम ने उनसे एक्शन टेकन रिपोर्ट ही तलब कर ली। बुधवार को जांच टीम दोनों विभागों के अफसरों के साथ बैठक करेगी। निरीक्षण के दौरान पीसीबी प्रयोगशाला प्रभारी केके कथूरिया और जल बिरादरी के ब्रजेश विजयवर्गीय भी मौजूद रहे।

चम्बल व माही नदी के बांधों पर सौर ऊर्जा प्लांट लगेंगे

100 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की तैयारी, निजी कम्पनियों को प्रोत्साहित करेंगे

कोटा @ पत्रिका
patrika.com/city

राज्य सरकार ने चम्बल व माही बेसिन में निर्मित बांधों पर सौर ऊर्जा प्लांट लगने की तैयारी कर ली है। निजी कम्पनियों के जरिए 100 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का प्लांट लगाया जाना प्रस्तावित है।

सूत्रों ने बताया कि राजस्थान ट्रायबल एरिया विकास समिति के अध्यक्ष गोपीराम अग्रवाल ने पिछले दिनों राज्य के मुख्य सचिव व ऊर्जा सचिव को पत्र लिखकर सुझाव दिया था कि सूर्य के ताप से उड़ने वाले पानी को बचाने एवं बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए चम्बल व माही नदी पर निर्मित बांधों पर लगभग 100 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। इसके लिए राज्य सरकार निजी उद्यमियों को प्रेरित करे। इसके बाद जल संसाधन विभाग ने चम्बल नदी के बांधों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की कार्ययोजना तैयार की। इसमें कोटा बैराज, जवाहर सागर बांध तथा राणा प्रताप सागर बांध पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर चर्चा की जा रही है। बांधों पर सौर ऊर्जा उत्पादन की रिपोर्ट जल संसाधन विभाग जयपुर के (बांध) निदेशक ने तैयार की है। इसमें कहा है कि न्यूनतम खर्चे पर यह संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। इंदिरा गांधी नहर पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं।

नहरों का भी चयन

चम्बल की दाईं और बाईं मुख्य नहर के किनारे खाली पड़ी जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की योजना है। इंदिरा गांधी नहर की तर्ज पर विद्युत उत्पादन किया जाएगा। यह काम सीएडी के माध्यम से किया जाना प्रस्तावित है। पिछले दिनों सीएडी अधिकारियों के साथ इसको लेकर कार्यशाला भी आयोजित की जा चुकी है।

गंदे पानी से कर रहे खेती

चम्बल की डाउन स्ट्रीम में छोटी पुलिया के पास ही स्थानीय लोग खेती भी कर रहे हैं। नदी की तलहटी में मिट्टी वाले इलाके को समतल कर पुलिया के पास जमा गंदे पानी से ही उसकी सिंचाई की जा रही है। सीपीसीबी की टीम ने नदी इलाके में खेती करने पर भी आपत्ति जताई। हालांकि मौके पर मौजूद अफसर नहीं बता सके कि यह जमीन सिंचाई विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है या नगर निगम की। बालिता क्षेत्र में चम्बल का पानी लेने के लिए खेत में लगा पम्प।

अब ओलों ने किया बेहाल

टीम पत्रिका. भोपाल. कर्ज और बर्बाद फसल से आहत किसान को बेमौसम बारिश और ओलों ने भी बेहाल कर दिया। बुधवार को अशोनगर, ग्वालियर-चंबल संभाग, बुंदेलखंड और महाकौशल में हुई ओलावृष्टि से धान समेत अन्य खड़ी फसलें खेत में ही बिछ गईं। मालवांचल में इंदौर समेत कई क्षेत्रों में बुधवार को देर तक रिमझिम बारिश हुई, जिससे पारा गिर गया। उधर, कटनी, सतना और पन्ना में गाज गिरने से पांच की मौत हो

शिवपुरी

अशोकनगर

इसलिए गिरे ओले

भोपाल मौसम केंद्र निदेशक डॉ. अनुपम कश्यपि ने बताया कि अरब सागर से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है, जिसके कारण पश्चिमी मप्र में ऊपरी हवा का चक्रवात 1.5 किमी ऊंचाई पर है। जम्मू कश्मीर में बने पश्चिमी विक्षोभ का असर भी है। इसलिए उप से लगे मप्र के इलाकों में बारिश और ओले की स्थिति बन सकती है।

आज यहां ओलावृष्टि की आशंका

मौसम विभाग ने गुरुवार को चंबल, ग्वालियर संभाग, श्योपुर, दतिया, सागर, रीवा संभाग, शहडोल संभाग के उत्तरी हिस्से में ओलावृष्टि की आशंका जताई है।

अशोकनगर में बारिश-ओले: अशोकनगर में बुधवार को एक घंटे झमाझम बारिश के साथ आंवले के आकार के ओले गिरे। सबसे ज्यादा नुकसान पंवारगढ़, देवखेड़ी, सिरसी पछार, कोलुआ, खमतला, लाल बरखेड़ा में हुआ।

कल से राहत संभव

मौसम के मिजाज में शुक्रवार से कुछ परिवर्तन होने की संभावना है। इंदौर, भोपाल संभाग में बादल छंटना शुरू हो गए हैं, यहां गुरुवार से राहत मिल सकती है।

एक किसान की मौत

मंडीदीप. बर्बाद फसल और कर्ज से टीलाखेड़ी निवासी हरिराम पिता छक्कालाल सरयाम की बुधवार को मौत हो गई। डेढ़ लाख के कर्ज में डूबे हरिराम को घबराहट के बाद भोपाल के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां देर मंगलवार रात उसकी मौत हो गई।

दमोह में तेज हवाओं के साथ गिरे ओले

महाकोशल में बुधवार को ओला, बारिश और तेज हवाओं से जनजीवन प्रभावित हुआ। अंचल के कटनी में बारिश के साथ बिजली गिरने के कारण अलग-अलग स्थानों में तीन लोगों की मौत हो गई। दमोह के ग्रामीण अंचल में ओलावृष्टि के खेतों में सफेद चादर बिछ गई। खासतौर से बटियागढ़, पथरिया, दमोह तहसील के गांव में ओलावृष्टि हुई। ओलों के कारण कई मकानों के खप्पर टूट गए। कृषि विभाग के अनुसार ओलावृष्टि से अरहर, सरसों, सब्जी की फसल को नुकसान हुआ है।

शिवपुरी में तबाही

मंगलवार-बुधवार की दरमियानी ग्वालियर- चंबल संभाग में आधा घंटे तक ओलावृष्टि हुई। शिवपुरी में कई जगह पुराने पेड़ उखड़ कर गिर गए। शिवपुरी विकासखंड के आसपास 7 गांव में टमाटर की पैदावार पूरी तरह से नष्ट हो गई, जबकि नरवर के 6 गांव में धान की फसल को 30 से 40 प्रतिशत नुकसान हो गया।

भिंड में भी ओले

भिंड जिले के आलमपुर में बुधवार को तड़के सुबह हल्की बारिश के बाद ओलावृष्टि हुई। वहीं दतिया जिले की सेंवढ़ा तहसील के करीला सहित लगभग दर्जन भर गांवों में जमकर ओले गिरे हैं। इससे खेतों में पकी खड़ी या खलिहानों या घरों पर थ्रेसिंग के लिए कटी रखी तिल और बाजरा की फसलों को कई क्षेत्रों में नुकसान पहुंचा है।

श्योपुर में भी बारिश-ओले : श्योपुर जिले के बड़ैदा, सेंईकला और कराहल क्षेत्र में जहां बारिश हुई। वहीं ओले भी गिरे। ओलावृष्टि से धान की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। कलेक्टर पद्मा लाल सोलंकी ने क्षेत्र का दौरा कर धान की फसल में नुकसान स्वीकारा है और सर्वे के निर्देश दे दिए हैं। उधर, सतना में 19 मिमी, रीवा 46 मिमी बारिश हुई। सीधी और पन्ना के देवेन्द्रनगर में छोटे ओले गिरे हैं। सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ में बुधवार को कई जगह बारिश के साथ ओले गिरे

सतना, पन्ना में दो मरे : पन्ना के सलेहा में एक किसान और सतना में एक महिला की बिजली गिरने से मौत गई। रीवा के नईगढ़ी की मनीषा बिजली से गंभीर रूप से झुलस गई।

राज्य में कई जगह बारिश

कई इलाकों में हुई हल्की बारिश

चेन्नई. राज्य में उत्तर-पूर्वी मानसून ने दस्तक दे दी है। चेन्नई समेत राज्य के कई इलाकों में गुरुवार सुबह से ही झमाझम बारिश हुई। बारिश के कारण सवेरे कार्यालय, स्कूल व कालेज जाने वालों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ी। सड़कों पर पानी भर जाने के कारण पैदल चलने वालों के लिए परेशानी का सबब बन गया। कई जगह जाम की स्थिति भी देखने को मिली जिससे वाहन चालकों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में राज्य के तटीय जिलों एवं पुदुचेरी में भारी बारिश होने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के उप महानिदेशक एस.आर.रमणन ने बताया कि राज्य के तटीय जिलों के कई हिस्सों में बारिश हुई है। पिछले 24 घंटों में जिले में कई स्थानों पर भारी बारिश भी हुई है। राज्य के भीतरी जिलों में भी एक दो स्थानों पर अच्छी बारिश दर्ज की गई। वल्लाम में 9 सेंटीमीटर तथा ताम्बरम एवं मेट्टुपालयम में सात सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि राज्य के आंतरिक हिस्सों में भी बारिश होगी। उन्होंने कहा कि चेन्नई में सामान्यतः आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों में गरज के साथ हल्की बारिश होगी। रमणन ने बताया कि इस साल राज्य में उत्तर-पूर्वी मानसून से सामान्य बारिश होगी। भारी बारिश की संभावना के चलते मछुआरों से कहा गया है कि वे समुद्र में न जाएं।

हेल्पलाइन नम्बर बनाया

इसी बीच सरकार ने चौबीस घंटे के लिए हेल्पलाइन नम्बर बनाया है। इससे लोग चक्रवात और भारी बारिश की स्थिति में संपर्क कर मदद ले सकेंगे। राज्यभर में इससे निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष बनाए गए हैं। चेन्नई निगम के लिए हेल्पलाइन नं. 1913 एवं अन्य जिलों के लिए 1077 बनाया गया है। पेयजल संबंधी शिकायतों के लिए 044-45674567 पर संपर्क किया जा सकता है।

नया पत्रिका patrika.com 14

आए थे बाढ़ देखने, खुद ही बह गए

चीन के होंगझोऊ में नदी में आई बाढ़ का नजारा देखने उमड़े पर्यटकों और स्थानीय लोगों पर उस समय मुसीबत बरस पड़ी, जब नदी की लहरें किनारा छोड़कर कई मीटर ऊपर सड़क से गुजर गईं। नदी के इस अचानक बदले अंदाज से कई वाहन और पर्यटक बह गए। हालांकि अभी तक किसी के मारे जाने की पुष्टि नहीं की गई है।

epaper
हिन्दुस्तान

2045 का हाल

बढ़ती गर्मी से हिल जाएगी दक्षिण एशिया की अर्थव्यवस्था

आने वाले 30 साल में जलवायु परिवर्तन के चलते दक्षिण एशिया के कई देशों में गर्मी इतनी बढ़ जाएगी कि घर से बाहर काम करना मुश्किल हो जाएगा। इससे उत्पादन और जीडीपी गिरने से अर्थव्यवस्था संकट में आ जाएगी। सिंगापुर, मलेशिया और इंडानेशिया पर यह मुसीबत सबसे भारी पड़ेगी।

16% श्रम शक्ति गिरेगी दक्षिण एशिया में

कहां कितनी उत्पादकता में गिरावट

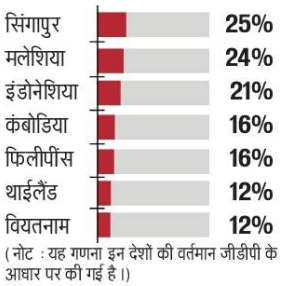

(नोट : यह गणना इन देशों की वर्तमान जीडीपी के आधार पर की गई है।)

ऑफिस नहीं जाएंगे लोग

शोध कंपनी वीरिस्क मैपलक्राफ्ट की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक तापमान और नमी बढ़ने से साल में असुरक्षित हीट स्ट्रेस वाले दिनों की संख्या में इजाफा होगा। बीमारियां बढ़ेगी, जिससे लोग ऑफिस से ज्यादा गैरहाजिर होंगे।

बढ़ेंगे गर्मी वाले दिन

देश	अभी गर्मी वाले दिन	2045 में गर्मी के दिन
सिंगापुर	335	364
मलेशिया	338	364
इंडोनेशिया	303	355
फिलीपींस	276	337

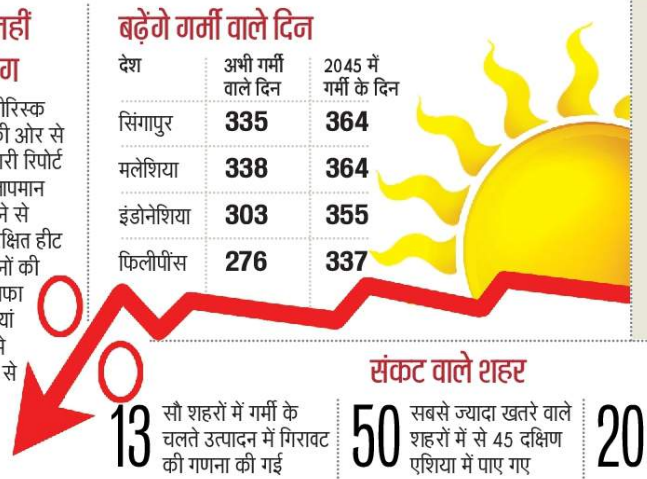

जलवायु परिवर्तन से हीट स्ट्रेस का प्रभाव बेहद बढ़ जाएगा। इससे लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ेगा।
जेम्स एलन, पर्यावरण प्रमुख, वीरिस्क मैपलक्राफ्ट

संकट वाले शहर

13 सौ शहरों में गर्मी के चलते उत्पादन में गिरावट की गणना की गई

50 सबसे ज्यादा खतरे वाले शहरों में से 45 दक्षिण एशिया में पाए गए

20 खतरनाक शहर मलेशिया, 13 इंडोनेशिया और चार फिलीपींस में हैं

THE HINDU

CITIES » CHENNAI

Published: October 28, 2015 00:00 IST | Updated: October 28, 2015 14:35 IST CHENNAI, October 28, 2015

City can expect monsoon magic from today

- Staff Reporter

The Hindu
FInally, the city gets to see overcast skies and feel a chilly breeze. Heavy showers are expected from Wednesday —Photo: B. Jothi Ramalingam

The news has come as a welcome relief to residents who have been struggling due to depleting groundwater resources.

After days of speculation on social media, especially on Twitter and WhatsApp, on the timing of northeast monsoon's arrival, the weatherman confirmed that it would commence on Wednesday.

According to officials at the Regional Meteorological Department, Chennai, the city "may experience heavy rains with thundershowers on Wednesday.

The news has come as a welcome relief to residents who have been struggling due to depleting groundwater resources as well as the rapid decline in storage levels at the city's principal reservoirs supplying drinking water.

"Conditions remain favourable for the commencement of the northeast monsoon," officials at the city's weather office added. According to them, there is a low pressure area in southwest Bay of Bengal and adjoining Sri Lanka coast. This will result in heavy rains on coastal areas including Chennai, Tiruvallur and Kancheepuram in Tamil Nadu and also Puducherry.

In Chennai, the sky will be generally cloudy.

Maximum and minimum temperature in the city on Wednesday will around 32 and 25 degree Celsius respectively.

Unlike last year, the northeast monsoon is delayed by at least eight days this year, the officials said.

Normally, the monsoon sets in around October 20. The delay has been attributed to a typhoon in Philippines that created a landfall, which changed the wind pattern around Andaman Islands that usually pushes moisture to the Tamil Nadu coast.

However, they said that despite its delayed start, the northeast monsoon, which extends from October to December every year, is likely to be normal this year.

Printable version | Oct 29, 2015 4:35:04 PM | http://www.thehindu.com/news/cities/chennai/city-can-expect-monsoon-magic-from-today/article7811878.ece

© The Hindu

In brief

Paragliders take to the air on the 4th day of AAI Paragliding World Cup at Bir in Dharamsala on Tuesday. PTI

Raids brought down pulses' price, says govt

The Centre on Tuesday claimed that retail prices of pulses have begun to ease after recovery of 82,000 tonnes of the kitchen staple in de-hoarding operations across the country, *DHNS* reports from New Delhi.

The Consumer Affairs Ministry released comparative rates of toor dal on Tuesday and October 19 across 10 cities to drive home the point on easing of prices.

The cheapest toor dal was available at Rs 138 per kg in Jaipur while it was costliest in Mangaluru where it was retailing at Rs 188 per kg on Tuesday. Last week, the dal variety was retailing at Rs 155 in Jaipur and at Rs 195 in Mangaluru.

A dozen state governments carried out 8,394 raids on hoarders of pulses in the past 10 days and have recovered 82,462 metric tonnes.

"The states have indicated that the seized stock will be made available in retail markets within a week," an official statement said.

More state governments have started selling pulses through state-run and cooperative outlets that have led to easing of prices, officials said.

NE monsoon likely from today

The delayed Northeast monsoon is expected to commence on Wednesday as the conditions including formation low pressure area over Bay of Bengal are favourable, *DHNS* reports from Chennai.

"Conditions area favourable for the commencement of Northeast Monsoon rainfall over Tamil Nadu and adjoining areas of South Andhra Pradesh and Karnataka tomorrow (Wednesday)," S R Ramanan, deputy director general of Meteorology department said on Tuesday.

He though the Southwest monsoon has been withdrawn from the entire region last Monday, the Northeast monsoon did not arrive immediately due to typhoon effect in Philippines.

In view of the onset of Northeast monsoon Coastal areas of Tamil Nadu, Puducherry, Kerala, Lakshadweep area would experience squally weather from Monday onwards.

Hence Fishermen are advised to be cautious while venture into sea.

He said due to the movement of low pressure area, the Northeast monsoon rains will be further intensified from this Wednesday.

THE FIRST NIP OF WINTER

■ A man bundles up in a blanket as he turns in for the night outside AIIMS in New Delhi on Wednesday. SANCHIT KHANNA / HT PHOTO

MAX TEMPERATURE ON WEDNESDAY

26.3°C

(5 below normal)

- A light drizzle and cool winds brought down temperatures in Delhi, giving the city its first taste of winter at the end of an unusually hot October
- Expect morning mist, light rain and cloudy skies on Thursday too ›› P4

Printed from
THE TIMES OF INDIA

On Uma Bharti's direction, experts to probe if Kailash is Ganga's source as Hindu mythology says

Yogesh Kumar & Tapan Susheel,TNN | Oct 29, 2015, 05.22 AM IST

Ganga in all its glory at Gangotri Dham (Twitter photo courtesy: @artisdiary)

DEHRADUN/ROORKEE: After union water resources minister Uma Bharti asked scientists at the Roorkee-based National Institute of Hydrology (NIH) to explore if the Ganga has its origins in Kailash Mansarovar and not Gaumukh near Gangotri as is popularly believed, scientists say they will be using water isotopes tracer technology to track the river's source.

"We are carrying out a fresh study to scientifically examine the possibility of Mansarovar Lake being the source of Ganga. The water-isotopes pattern of water samples taken from Mansarovar and Gangotri will confirm the origin of the river," R D Singh, director, NIH, told TOI.

Incidentally, NIH has an observatory at Bhojwasa near the Gangotri glacier where several studies have been conducted on the Ganga. "Our research so far has showed that Ganga has its source at Gaumukh. The new task is a challenging one as we are heading into a completely different direction," said Manohar Arora, the institute's expert on the Gangotri glacier.

READ ALSO

Ganga expedition team reaches Varanasi

Bharti's contention on the river's origin conforms to the popular Hindu notion that Ganga descended from the locks of Shiva and therefore, has a connection with Kailash Mansarovar, regarded as Shiva's abode. SC Bahuguna, secretary of Uttarakhand Sanskrit Academy, Haridwar, says that "several scriptures speak about the Ganga and Mansarovar being connected". But on a practical level, can the river have its origins at a place over 200 km away from Gaumukh, the point where its waters are first sighted? Singh says the possibility cannot be ruled out.

Stay updated on the go with Times of India News App. Click here to download it for your device.

Post a comment

FROM AROUND THE WEB

MORE FROM THE TIMES OF INDIA

Recommended By Colombia

FROM AROUND THE WEB

MORE FROM THE TIMES OF INDIA

Recommended By Colombia

THE TIMES OF INDIA
Powered by *INDIATIMES*

About us | Privacy policy | Newsletter | Sitemap
Advertise with us | Feedback | TOI Mobile | Archives
Terms of Use and Grievance Redressal Policy | RSS | ePaper

Other Times Group news sites
The Economic Times
इकनॉमिक टाइम्स | ઈકોનોમિક ટાઈમ્સ
Pune Mirror | Bangalore Mirror
Ahmedabad Mirror | ItsMyAscent
Education Times | Brand Capital
Mumbai Mirror | Times Now
Indiatimes | नवभारत टाइम्स
महाराष्ट्र टाइम्स | ವಿಜಯ ಕರ್ನಾಟಕ
Go Green | NavGujarat Samay

Living and entertainment
Timescity | iDiva | Entertainment | Zoom
Luxpresso | Gadget Reviews
| Online Songs

Interest Network
itimes

Hot on the Web
World | Politics
Business | Sports
Entertainment
New Cars
Xiaomi Mobile
Motorola Mobile

Services
Book print ads | Online shopping
Matrimonial | Astrology | Jobs | Tech Community | Property | Buy car
Bikes in India | Free Classifieds | Send money to India | Used Cars
Restaurants in Delhi | Movie Show Timings in Mumbai | Remit to India | Buy Mobiles
Listen Songs | Real Estate Developers

Trending Topics
Samsung Mobile | Micromax Mobile | You Tube | Delhi Travel Guide | Katrina Kaif Photos | Sony Mobile | Hindi Songs | Horoscope 2015 Predictions | Asus Mobile | Facebook | Sunny Leone Photos | Hindi News

Copyright © 2014 Bennett, Coleman & Co. Ltd. All rights reserved. For reprint rights: Times Syndication Service

HALF A MILLION DIE IN DECADE OF DISASTERS

The Asia-Pacific region, the most disaster-prone part of the world, suffered 1,625 disasters from 2005 to 2014, which killed half a million people and caused $523 billion in economic damage

ASIA PACIFIC (2005-2014)

Disasters: 1,625

40%

of all disasters worldwide

People killed: 500,000

60%

of global deaths due to disasters

People affected: 1.4bn

80%

of total population affected by disasters

Damage: $523bn

45%

of all damage caused by disasters

DEADLIEST DISASTERS

Eight of ten-worst incidents occurred in Asia Pacific

1. Haiti earthquake (2010) **225,570**
2. Cyclone Nargis, Myanmar (2008) **138,366**
3. Sichuan earthquake, China (2008) **87,476**
4. Pakistan earthquake (2005) **73,338**
5. Tohoku earthquake and tsunami, Japan (2011) **19,846**
6. Nepal earthquake (2015) **9,053**
7. Typhoon Haiyan, Philippines (2013) **7,354**
8. Haiti cholera epidemic (2010) **6,908**
9. North India floods (2013) **6,054**
10. Indonesia quake (2006) **5,778**

EARTHQUAKES AND TSUNAMIS KILLED NEARLY 200,000 PEOPLE

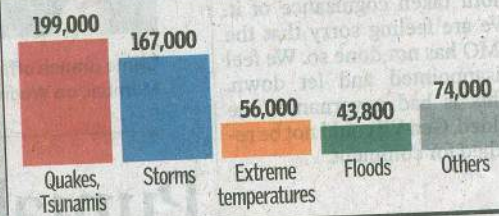

Source: 2015 UN Asia-Pacific Disaster Report

Idol immersion over, but Yamuna ghats await clean-up

Ritam Halder
ritam.halder@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Durga Puja might have ended days back, however, the unpleasant marks of the idol immersion continue to dot the Yamuna in Delhi.

The Kalindi Kunj ghat, which caters to most of South Delhi, Noida and Gurgaon puja committees, continued to look like a large watery bin even on Wednesday and activists claim the blame game of government agencies is responsible for this mess.

The immersion of idols, which started on October 22, has added to the pollution of the river.

According to activist Ketan Bajaj, it has been almost a week since the idol immersion but the situation is quite grim at the ghats. "The riverbed is full of puja paraphernalia and all other kinds of garbage. It is a matter of shame for the Delhi government which could not prevent it. It has not been able to even get the Yamuna ghat cleaned as yet," he said.

The Delhi Environment Department had earlier claimed that to make sure immersions didn't create the usual mess they had held a meeting with the organisers of the various puja committees so that all the National Green Tribunal orders were followed during immersions. Volunteers were deployed and separate enclosures were also created to immerse the idols. However, nothing seems to have helped.

ACCORDING TO ACTIVIST KETAN BAJAJ, THE SITUATION IS QUITE GRIM AT THE GHATS AFTER THE IDOL IMMERSIONS

Bajaj, who is an IIT-Delhi alumnus, feels the lack of coordination among agencies is killing the river. "During idol immersion ceremonies, the Delhi government's irrigation department has the responsibility to remove all idols and garbage thrown in the river; which is then carried by the civic agencies for disposal. Employees of the Delhi government do not do this themselves. The task is sub-contracted to private parties. These contractors are in a hurry to make quick money do not do their job completely. They take photographs of the clean parts of the ghat and submit it to the irrigation department for clearance of their contract funds," he said.

A senior Delhi government official agreed that a lack of coordination between agencies was responsible for the mess. "We will talk to the DC and DMs concerned to look into the matter and will ensure better co-ordination. Wherever this garbage is left on the ghats, will be cleaned soon," he said.

Govt moves to ensure city's lifeline is made sludge-free

YAMUNA POLLUTION Research body asked to conduct a survey to assess feasibility and process of desilting the river

Mallica Joshi
mallica.joshi@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Yamuna riverbed may soon get rid of the black sludge that has been resting at the bottom for several years.

The Delhi government has asked the National Environmental Engineering Research Institute (NEERI) to conduct a survey to assess the feasibility and the process of desilting Yamuna.

"We took the decision to remove the sludge at the bottom of the river during our visit in September itself. We have now approached NEERI to prepare a report and tell us how we can go forward. The report is expected by mid-November," said Delhi Jal Board chairperson Kapil Mishra.

Mishra, along with officers of the Delhi government and the Delhi Development Authority had gone to Yamuna and taken a boat ride — many for the first time in their lives — in September. The idea was to bring people to the river so that there is a connect between the policies made and the action on the ground.

According to activists, who accompanied the officials on the ride, the water in the river does not appear black just because waste water and sewer are being dumped into it but also because the riverbed is covered by trash. According to them, even if the river is filled with clean water from a tap, it will not appear clean since the bed is blackened owing to the sludge at the bottom.

The levels of Dissolved Oxygen, that indicate aquatic life, are dismal in Yamuna. A river should have DO above 4 for a thriving aquatic life but at the seven spots where samples were lifted from in September this figure is between 0.24 and 0.32.

A major reason for this is the sludge that has settled at the bottom of the river. It undergoes anaerobic decomposition which releases methane and pushes out oxygen. Till the time desilting is not done, this is difficult to change, experts say.

Remains of Durga idols lying at the Kalindi Kunj ghat on Wednesday, four days after immersion. MOHD ZAKIR/HT PHOTO

> We took the decision to remove the sludge at the bottom of the river (Yamuna) during our visit in September itself. We have now approached National Environmental Engineering Research Institute to prepare a report and tell us how we can go ahead. The report is expected by mid-Nov.
>
> KAPIL MISHRA, chairperson DJB

बारिश के साथ ठंड की दस्तक

पत्रिका-24-10-15

नई दिल्ली,(ब्यूरो): मंगलवार की देर रात व बुधवार को दिन में दिल्ली एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में हुई बूंदाबादी के बाद ठंड ने दस्तक दे दी है। दीपावली अभी दूर है बाबजूद लोगों ने गरम कपडे निकाल लिए हैं। खासकर बाईकर्स को ठंड से बचने के इंतजाम कर सफर करते देखा गया है। मौसम विभाग ने गुरूवार से एक बार फिर आसमान में धूप खिली होने की संभावना जताई है,लेकिन इस दौरान हिमाचल में हो रही बर्फवादी से दिल्ली में शीत लहर की उम्मीद से इंकार नहीं किया है। मौमस विभाग ने अगले वीकेंड में फिर से एक बार फिर से मौसम में बदलाव की बात कही है। अगले कुछ दिनों तक तापमान में कोई खास परिर्वतन की उम्मीद नहीं है। इस दौरान अधिकात तापमान तीस डिग्री तथा न्यूनतम 17 डिग्री के आस पास रहने की भविष्यवाणी की है।